# भजन

यह तो प्रेम की बातें है ऊधो,बंदगी हमरे बस की नहीं है
यहां सर के होते हैं सौदे, आशिकी इतनी सस्ती नहीं है

1- प्रेम वालों ने कब वक्त पूछा,ये तो नवधा से न्यारी है भक्ति
यहां दम बदम होती है पूजा,सिर झुकाने की फुर्सत नहीं है

2-जो प्रेम की मस्ती में डूबे,उन्हें परवाह है क्या जिंदगी की
जो चढ़ के उतरती है मस्ती,वो मस्ती वो मस्ती नहीं है

3- जिनके हिरदे में है प्राण प्यारे,वो तो रहते हैं जग से न्यारे
जिनकी नजरों में श्यामा श्याम समाया,वो नजर फिर तरसती नहीं है